चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	24-12-22	5	1-4

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे हैं फसलों के बेहतर दाम : दलाल

चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

हिसार, 23 दिसंबर (विरेंद्र वर्मा): किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण इ्सलसह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्य अतिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे।

हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जितना प्रीमियम भरा उससे 500 करोड़ रुपए अधिक का क्लेम मिला। इसके अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है। इससे पता चलता है कि हरियाणा का कृषि विभाग प्रदेश के किसानों की भलाई के लिए अधिक संवेदनशील है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मझौले है, उनकी जोत छोटी है जिससे वह नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एफपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रगतिशील कृषक महिलाओं व कृषकों को सम्मानित करते हुए प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र : प्रो. बी.आर. काम्बोज

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय ना केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की बायोफोर्टिफाइड किस्में व ज्वार की संकर किस्में विकसित की हैं। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रसंस्करण, कपास, आलु, गन्ना, मक्का आदि फसलों में सुक्ष्म सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक खेती की कृषि पद्धतियां विकसित करना, ग्रामीण आंचल के युवक युवतियों को स्किल डेवलमेंट ट्रैनिंग प्रदान कर रहा है। प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने सिरसा के गांव झोरड़नाली के मुकेश पुत्र लालचंद को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां बताई। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया और कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-12-22	4	3-6

एचएयू में किसान दिवस समारोह में प्रदेश के 40 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया, कृषि मंत्री बोले

10 हजार किसानों को मत्स्य पालन से बनाएंगे करोड़पति

भास्कर न्यूज़ | हिसार

कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने सीसीएचएयू में पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस कार्यक्रम में प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने सिरसा के गांव झोरड़नाली के मुकेश को किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेशभर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया।

इस मौके पर कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि मत्स्य पालन के जरिए दस हजार किसानों को करोड़पति बनाए जाने की संभावना है। खारे पानी में झींगा उत्पादन किया जा सकता है। देश-प्रदेश में हरे चारे की कमी को देखते हुए सरकार हरे चारे से साइलेज बनाने के व्यवसाय को 50 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दे रही है।

कृषि मंत्री ने कहा हमारे प्रदेश का बाजरा ओमान व यूरोपियन खाने लगे तो यह 20 हजार रुपये क्विंटल बिकने लगेगा। साल 2023 को मोटा अनाज बाजरा के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मनाया जा रहा है। इसको 70 देशों ने सहमति भी दे दी है। उन्होंने कहा कि पहले जो बाजरा 800 से 900 रुपये क्विंटल बिकता था, वह अब 2350 रुपये में बिक रहा है।

हिसार- एचएयू में सम्मानित किए गए किसानों के साथ कृषि मंत्री जेपी दलाल, वीसी प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य अधिकारी।

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र : प्रो. काम्बोज : किसान दिवस समारोह की अध्यक्षता कर रहे वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय ना केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है।

इन्हें किया सम्मानित : हिसार के गांव खारा बरवाला से राहुल, सदलपुर से सुनीता रानी, जींद जिले के बीबीपुर से अजीत सिंह, इक्कस से पूनम, पलवल के किशोरपुर से बुद्धराम, नूंह से निर्मला, सोनीपत के हलालपुर से राजिंदर, गढ़ी मीमरपुर से राज कुमारी, यमुनानगर के नागल से रंधीर सिंह, बाहादुरपुर से कांता रानी, कुरुक्षेत्र के खानपुर कोलियान से राम कुमार, मथाना से उषा देवी, फतेहाबाद के धोलू से राजपाल व कांता, करनाल के नीलोखेड़ी से विकास चौधरी, कंबोपुरा से रिमन कम्बोज, रेवाड़ी के मोहमदपुर से महेश कुमार, पाली से ज्योति यादव, झज्जर के बिशन से हरेन्द्र सुहाग, ससरौली से पिंकी, अंबाला के महलान से आशु, संभालका से करमजीत कौर, फरीदाबाद के अरूआ से सुभाष भाटी, पनहेरा खुर्द से रेखा, पंचकुला के कोलयोन से रतन सिंह, रामपुर से मैनावंती, कैथल के लांदिर पीरजादा से मनदीप सिंह कम्बोज, उमेदपुर से गुरजीत कौर, पानीपत के उरलाना कलां से परविंदर, ओझा से मनीषा देवी, महेन्द्रगढ़ के माजरा खुर्द से पंकज, बवानिया से सुनीता यादव, रोहतक के चीरी से बंसी लाल, गढ़ी बोहर से ज्योति, सिरसा के फरवैन से मोहन लाल, ओढ़ां से सोनिया, भिवानी के बिसलवास से कृष्ण कुमार, बादल से रेखा, फार्मर फस्ट के अंतर्गत हिसार के चिड़ौद से बलवान, लाहौरी राघो से सरोज रानी को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	24-12-22	9	2-5

एचएयू में किसान दिवस पर बोले कृषि मंत्री जेपी दलाल

किसान अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें

■ सिरसा के मुकेश को मिला किसान रत्न अवॉर्ड

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

कृषि एवं कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। कृषि मंत्री दलाल शुक्रवार को हकृवि में चूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे।

सबसे ज्यादा एमएसपी पर फसल खरीद रहा हरियाणा

कृषि मंत्री ने कहा कि हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा

हिसार। किसान दिवस पर मुकेश को किसान रत्न अंवार्ड से सम्मानित करते मुख्यातिथि कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल व कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

मछली पालन से बनेंगे करोड़पति

उन्होंने कहा कि मछली पालन व्यवसाय से प्रदेश के 10 हजार किसानों को करोड़पति बनाए जाने की संभावना है। इसके अलावा बेज-प्रदेश में हरे चारे की कमी को देखते हुए सरकार हरे चारे से साइलेज बनाने के व्यवसाय को 50 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद दे रही है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मझौले है, उनकी जोत छोटी है जिससे वह नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एफपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

40 किसान सम्मानित

प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने सिरसा के गांव ओधड़वाली के किसान मुकेश को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां बताई। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया और कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद

अधिक संवेदनशील है। समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में

चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	24-12-22	3	3-6

हिसार में कृषि मंत्री ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, बोले

'यात्रा करते रहें राहुल, भारत के किसानों की जानकारी मिल जाएगी'

- चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड
- चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में मनाया गया किसान दिवस

सच कहूँ/सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 120वीं जयंती के उपलक्ष्य में शुक्रवार को किसान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने शिरकत की। इस दौरान सरसा के गांव झोरड़नाली के मुकेश को किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के बाद कृषि मंत्री जेपी दलाल ने राहुल गांधी की यात्रा पर कटाक्ष किया। कृषि मंत्री ने कहा कि इस यात्रा के द्वारा राहुल को भारत के किसानों और गरीबों की जानकारी मिल जाएगी। राहुल शहरों में रहने वाले विदेशों में पढ़ने वाले एक अमीर आदमी हैं। उन्हें भारत की जानकारी नहीं है। जेपी ने कहा कि भगवान करे राहुल अगले 10 साल यात्रा करते रहें। कोरोना थोड़ें बहुत दिन रहेगा। कोरोना प्रबंधन के 10 दिन या 20 दिन बाद अपनी यात्रा कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ेगा, उनके पास यात्रा करने का बहुत समय है।

देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रु. मिल रहा अनुदान

कृषि मंत्री ने कहा कि किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह शुक्रवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है, जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जितना प्रीमियम भरा उससे 500 करोड़ रूपए अधिक का क्लेम मिला। इसके अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है।

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र: प्रो. काम्बोज

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24-12-22	2	5-6

किसानों ने मनाई चरण सिंह जयंती

हिसार (ब्यूरो): संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसानों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई।

किसान नेता राजीव मलिक ने बताया कि किसान दिवस मनाया गया और किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाई। उन्होंने हमेशा किसानों के हक की लड़ाई लड़ी उनको याद करना मात्र जयंती मनाना नहीं, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात करना है। इस मौके पर विंद्र डांडा, जंग बहादुर नैन, राममेहर संधु, सागर सरोहा, सुभम खटकड़, संदीप धूंधवाल आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह की जयंती मनाते संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24-12-22	2	3-5

एचएयू में चौ. चरण सिंह की 120वीं जयंती मनाई

स्व. चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो. काम्बोज

हिसार | देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर, 1902 को हापुड़ में हुआ था। किसानों के लिए उनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 120वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. एसके मेहता, ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. केडी शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, छैटा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य आदि मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती पर पुष्पार्पित करते कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज व मौजूद अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25-12-22	4	1-5

उपलब्धि • सिरसा के झोरड़नाली के प्रगतिशील किसान को हकृवि में किया गया सम्मानित

परंपरागत खेती छोड़ तरबूज-खरबूजे और सब्जियां लगाईं, जीता किसान रत्न अवॉर्ड

किसान डॉ. मुकेश को सम्मानित करते कृषि मंत्री।

यशपाल सिंह | हिसार

सिरसा जिले के गांव झोरड़नाली के प्रगतिशील किसान डा. मुकेश कंबोज को हकृवि में आयोजित किसान दिवस समारोह में किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। गांव झोरड़नाली घग्गर के तट पर है। यहां और आसपास के गांवों में धान और गेहूं के फसल चक्र की ही खेती की जाती रही।

नतीजा यह रहा कि बीते कुछ वर्षों में ज्यादा जल दोहन से जमीनी पानी का स्तर लगातार नीचे चला जा रहा था। दो साल पहले कोविड के चलते वे अपनी जॉब छोड़कर गांव में खेती करने लगे। उन्होंने धान-गेहूं का फसल चक्र बदल तरबूज, खरबूजे व सब्जियों की खेतीबाड़ी शुरु कर दी। इसको देखते हुए आसपास के किसानों ने भी फसल चक्र बदलना आरंभ कर दिया। आसपास के 50 गांवों के किसानों को उन्होंने जल संरक्षण के लिए जागरुक किया है। यहां कुछ पॉकिट में लोग धान-गेहूं का चक्र भी बदलने लगे हैं। डा. मुकेश कंबोज ने बताया कि 1982 में उन्होंने झोरड़नाली गांव में घग्गर के तट के निकट ही 25 एकड़ जमीन ली थी। उस समय यहां 10 फुट पर पानी था। अब यह 200 फुट तक पहुंच चुका है। इसके लिए गांव में खेतों में बोर के जरिए बारिश का पानी भी नीचे डाला जाता है।

1200 किसानों को दी ऑर्गेनिक फार्मिंग की ट्रेनिंग

ऑर्गेनिक फार्मिंग पर भी डा. मुकेश कंबोज काम कर रहे हैं। वे एचएयू से 1986 में बीएससी एग्रीकल्चर पासआउट हैं। इसके बाद 2013 में हैदराबाद से एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट में पीजी किया और हाल ही में हैदराबाद से ही सर्टिफाइड फार्म एडवाइजर फॉर ऑर्गेनिक फार्मिंग पर डॉक्टरेट किया है। हिंदुस्तान एंडी बायोटिक पूणे में भी जॉब की, कई मल्टीनेशनल कंपनियों के लिए भी रिसर्च वर्क कर चुके हैं। वे कृषि मंत्रालय के रिजनल काउंसिल फॉर पीजीएस से भी जुड़े हैं और ऑर्गेनिक प्रॉडक्टस को सर्टिफिकेशन भी करते हैं। नड्डा जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र के जरिए प्राकृतिक खेती की ट्रेनिंग भी देते हैं, अब तक 1200 किसानों को ट्रेनिंग दे चुके हैं।

3 साल मेहनत करने के बाद उखाड़ना पड़ा किन्नू का बाग

सदलपुर के प्रगतिशील किसान राहुल ने 12वीं कक्षा करने के बाद पुश्तैनी खेती संभाली लेकिन अलग करने की इच्छा के कारण 5 एकड़ एरिया में किन्नू का बाग लगाया। ट्रेनिंग व जानकारी न होने के कारण तीन साल तक पौधे बड़े किए लेकिन फ्रूट न आने पर बाग उखाड़ना पड़ा। इसके बाद करनाल केवीके में जाकर ट्रेनिंग ली; दोबारा बागवानी शुरु की, अब हालात यह है कि उनके यहां नर्सरी में तैयार पौध के लिए दूर-दूर से किसान आते हैं। राहुल ने अब 35 एकड़ में बागवानी बढ़ा ली है। उनके यहां किन्नू, अमरुद, आम, माल्टा व नींबू के बाग हैं। इनकी भी अलग-अलग वेरायटी उनके बाग में उपलब्ध हैं। 10 एकड़ से करीब 25 लाख की फसल वे हर साल ले रहे हैं।

किसान राहुल।

फूलों की खेती से लाखों कमा रहा राजपाल

फतेहाबाद जिले के धोलू गांव निवासी प्रगतिशील किसान राजपाल ने गांव से दसवीं की पढ़ाई की, इसके बाद खेती करने लगे। उनके पास पुश्तैनी 4 एकड़ जमीन है। जिस पर धान-गेहूं का ही फसल चक्र चलता रहा। यूट्यूब पर फूलों की खेती देखकर उनका भी विचार फूलों की खेती करने का आया। एचएयू में 2016 में ट्रेनिंग ली और छह साल पहले गांव में एक एकड़ में गुलाब, गेंदा और मारगेट जो सजावटी फूल है, इनकी खेती शुरु की। अब वे गांव के आसपास रतिया, भूना और फतेहाबाद में फूल सप्लाई करते हैं और सालाना एक एकड़ से छह से सात लाख कमा रहे हैं।

किसान राजपाल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	23.12.2022	-----	-----

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो.बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे पूर्व प्रधानमंत्री की 120वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे और वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। अपने कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. महता, ओएसडी डॉ.अतुल ढींगड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन

निदेशक डॉ. मंजु महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, हैडा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी मुखबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य के अलावा विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी तथा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	23.12.2022	-----	-----

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे है फसलों के बेहतर दाम: जय प्रकाश दलाल

चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि व कुलपति

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। किसान कम से कम आधे खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे।

हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जितना प्रीमियम भरा उससे 500 करोड़ रुपए अधिक का क्लेम मिला। इसके अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है। इससे पता चलता है कि हरियाणा का कृषि विभाग प्रदेश के किसानों की भलाई के लिए अधिक संवेदनशील है। उन्होंने प्रदेश में किसानों के हित में चलाई जा रही कृषि, पशुपालन एवं मछली पालन संबंधी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। मछली पालन व्यवसाय से प्रदेश के 10 हजार किसानों को करोड़पति बनाए जाने की संभावना है। इसके अलावा देश-प्रदेश में हरे चारे की कमी को देखते हुए सरकार हरे चारे से साइलेज बनाने के व्यवसाय को 50 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दे रही है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मझोले हैं, उनकी जोत छोटी है जिससे वह नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एफपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र: प्रो. बी.आर. काम्बोज

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्रक्षेत्र स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की बायोफोर्टिफाइड किस्में व ज्वार की संकर किस्में विकसित की है। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रसंस्करण, बाजरा, आलू, गाजर, गन्ना आदि फसलों में सूक्ष्म सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक खेती की कृषि पद्धतियां विकसित करना, ग्रामीण आंचल के युवक युवतियों को विभिन्न रोजगारोन्मुखी ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है। प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने सिरसा के गांव [illegible] के मुकेश पुत्र श्री [illegible] को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां बताईं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया और कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	23.12.2022	-----	-----

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एचएयू में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 120वीं जयंती मनाई

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 23 दिसम्बर : देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे पूर्व

प्रधानमंत्री की 120वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के बाद संबोधित कर रहे थे। किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे और वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। अपने कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एस.के. महत्ता, ओएसडी डॉ.अतुल ढींगड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजु महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, हौटा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य के अलावा विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी तथा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	23.12.2022	-----	-----

एचएयू में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की जयंती

राजनेता के साथ एक अच्छे लेखक भी थे चौधरी चरणसिंह : कुलपति

नभ-छोर न्यूज ⏭ 23 दिसंबर

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरणसिंह की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कुलपति ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त किसानों के उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनका मानना था कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव, खेत व खलिहान से होकर गुजरता है। उनका जन्म 23 दिसंबर 1902 को हापुड़ में हुआ। किसानों के लिए इनके अतुलनीय योगदान के कारण ही साल 2001 से 23 दिसंबर को उनकी जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सदैव किसानों के हितैषी रहे और उन्हें किसानों के मसीहा के तौर पर भी जाना जाता है। उनके बताए मार्ग पर चलकर हम सब उनको सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि किसानों के प्रति उनका प्रेम इसलिए भी था क्योंकि चौधरी चरण सिंह स्वयं एक किसान परिवार व ग्रामीण परिवेश से थे और वे किसानों की समस्याओं को अच्छी तरह से समझते थे। राजनेता होने के साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री एक अच्छे लेखक भी थे। अपने कार्यकाल के दौरान चौधरी चरण सिंह ने देश में किसानों के जीवन और स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए कई नीतियां बनाई।

कार्यक्रम में ये रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. एसके महत्ता, ओएसडी डॉ.अतुल ढींगड़ा, वित्त नियंत्रक नवीन जैन, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. के.डी. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, डॉ. जीत राम शर्मा, कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, कॉलेज ऑफ बायो-टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता डॉ. सुधीर कुमार, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. मंजू महता, सम्पदा अधिकारी एवं मुख्य अभियंता डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर जितेन्द्र सिंह, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. बलदेव डोगरा, हौटा प्रधान डॉ. करमल सिंह, मुख्य सुरक्षा अधिकारी सुखबीर सिंह, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य के अलावा विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष, अधिकारी तथा शिक्षक व गैर शिक्षक कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	23.12.2022	-----	-----

पूर्व प्रधानमंत्री चरण सिंह की जयंती पर किसानों का सम्मान

कृषि मंत्री बोले: भगवान करे राहुल अगले 10 साल यात्रा करते रहें

नभ-छोर न्यूज ⏭ 23 दिसंबर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में किसान दिवस समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जय प्रकाश दलाल ने शिरकत की। इस दौरान सिरसा के गांव झोरड़नाली के मुकेश को किसान रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। समारोह के बाद कृषि मंत्री जेपी दलाल ने राहुल गांधी की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इस यात्रा के द्वारा राहुल को भारत के किसानों और गरीब की जानकारी मिल जाएगी। राहुल शहरों में रहने वाले, विदेशों में पढ़ने वाले एक अमीर आदमी हैं। उन्हें भारत की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान करे राहुल अगले 10 साल यात्रा करते रहें। कोरोना थोड़े बहुत दिन रहेगा। कोरोना प्रबंधन के 10 दिन या 20 दिन बाद अपनी यात्रा कर लें, कोई फर्क नहीं पड़ेगा, उनके पास यात्रा करने का बहुत समय है। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा, 'मैं जहां-जहां जाता हूं, वहां लोग एक सवाल जरूर पूछते हैं। सर्दी के मौसम में ऐसी कौन सी दवाई राहुल जी खाते हैं कि हाफ टीशर्ट में भी उन्हें ठंड नहीं लगती। अगर यह फॉर्मूला हमारे सैनिकों को, जो हिमालय पर रहते हैं, मिल जाए, तो देश के प्रति उनका बड़ा अच्छा योगदान होगा।' इस समारोह में हर जिले से प्रगतिशील किसानों को सम्मानित करके हौसला अफजाई की गई। इस मौके पर गांव खारा बरवाला से राहुल, सदलपुर से सुनीता रानी, जींद जिले के बीबीपुर से अजीत सिंह, इक्कस से पुनम, पलवल के किशोरपुर से बुद्धराम, नूंह से निर्मला, सोनीपत के हलालपुर से राजेंद्र, गढ़ी मीमरपुर से राज कुमारी, यमुनानगर के नागल से रणधीर सिंह, बहादुरपुर से कांता रानी, कुरूक्षेत्र के खानपुर कोलीयान से राम कुमार, मथाना से उषा देवी, फतेहाबाद के धोलु से राजपाल व कांता, करनाल के नीलोखेड़ी से विकास चौधरी को सम्मानित किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आज समाज	24.12.2022	-----	-----

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे है फसलों के बेहतर दाम: जय प्रकाश दलाल

चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

आज समाज नेटवर्क

हिसार: किसान कम से कम अपने खाने के लिए प्राकृतिक खेती जरूर करें। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को देसी गाय खरीदने पर 25 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। प्रदेश की सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए विश्वविद्यालय व कृषि विभाग के माध्यम से किसानों को तकनीकी ज्ञान व आर्थिक मदद दी जा रही है। ये विचार प्रदेश के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने कहे। वह आज चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण की जयंती पर आयोजित किसान दिवस पर बतौर मुख्यातिथि किसानों को संबोधित कर रहे थे।

हरियाणा इकलौता ऐसा प्रदेश है जिसमें किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत जितना प्रीमियम भरा उससे 500 करोड़ रुपए अधिक का क्लेम मिला। इसके अलावा हरियाणा अकेला ऐसा प्रदेश

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आई प्रगतिशील कृषक महिलाओं को सम्मानित करते हुए मुख्यातिथि व कुलपति।

है जो किसानों से सबसे ज्यादा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसलों की खरीद कर रहा है। इससे पता चलता है कि हरियाणा का कृषि विभाग प्रदेश के किसानों की भलाई के लिए अधिक संवेदनशील है। उन्होंने प्रदेश में किसानों के हित में चलाई जा रही कृषि, पशुपालन एवं मछली पालन संबंधी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। मछली पालन व्यवसाय से प्रदेश के 10 हजार किसानों को करोड़पति बनाए जाने की संभावना है। इसके अलावा देश-प्रदेश में हो रहे बदलाव को देखते हुए सरकार हर घर में सहायिका बनाने के व्यवसाय को 50 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दे रही है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश के अधिकतर किसान छोटे व मझोले हैं, उनकी जोत छोटी है जिससे वह नवीनतम तकनीक का लाभ नहीं ले पाते। इसलिए कृषकों को संगठित होकर खेती करने की जरूरत है। इसी कड़ी में केन्द्र व प्रदेश की सरकार किसानों को एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित कर रही है व आर्थिक मदद दे रही है। सरकार एफपीओ को 90 प्रतिशत तक सब्सिडी दे रही है।

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्लॉट: प्रो. बी.आर. काम्बोज : समारोह की अध्यक्षता कर रहे कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र पर एक एकड़ का प्राकृतिक खेती का मॉडल प्रदर्शन प्लॉट स्थापित कर चुका है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीनतम कृषि तकनीक जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाना हमारा मुख्य उद्देश्य है। विश्वविद्यालय न केवल फसलों के उत्पादन बढ़ाने पर शोध कर रहा है बल्कि उनकी गुणवत्ता बढ़ाने, कम पानी में उगाई जाने वाली किस्में विकसित करने व बदलती जलवायु के प्रति सहनशील किस्में भी विकसित कर रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की बायोफोर्टिफाइड किस्में व ज्वार की संकर किस्में विकसित की हैं। विश्वविद्यालय कृषि उत्पादन के प्रसंस्करण, कपास, आलू, गन्ना, मक्का आदि फसलों में सूक्ष्म सिंचाई, जैविक व प्राकृतिक खेती की कृषि पद्धतियां विकसित करना, ग्रामीण आंचल के युवक युवतियों को विभिन्न टेक्नोलॉजी ट्रेनिंग प्रदान कर रहा है।

प्रदेश में कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने जिला के गांव डोहराली के मुकेश पुत्र श्री लालचंद को किसान रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश भर के 40 किसानों को भी सम्मानित किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियां बताई। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने सभी का स्वागत किया और कृषि अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। इस अवसर पर मुख्यातिथि ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाञ्चजन्य	24.12.2022	-----	-----

सरकार की कृषक हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे है फसलों के बेहतर दाम: जे.पी. दलाल

चौ. चरण सिंह जयंती पर एचएयू में किसान दिवस पर मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

हर जिले के केवीके में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्लॉट: प्रो. वी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	24-12-22	4	3-8

कृषि मंत्री ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बताए मोटे अनाज के फायदे, कहा

वो दिन दूर नहीं जब अमेरिका व ब्रिटेन खाएंगे हमारा बाजरा

फसल बीमा से 500 करोड़ का क्लेम मिला

प्राकृतिक खेती करने पर देसी गाय खरीदने में मिलेगा अनुदान

एफपीओ बनाकर खेती करें लाभ ही लाभ होगा

नवीनतम कृषि तकनीकों से लाभ पहुंचाना हमारा ध्येय : कुलपति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26-12-22	2	1-8

पोषण सुरक्षा : प्राकृतिक खेती के साथ मोटे अनाज की होगी ब्रांडिंग

कृषि मंत्री दलाल बोले-रासायनिक उर्वरकों की मांग कम करने व किसानों को व्यावसायिक बनाने के लिए हो रहा नया प्रयोग

भिवानी के लोहारू क्षेत्र में बन रहा मोटे अनाज का शोध संस्थान

प्राकृतिक और आर्गेनिक खेती करने वाले अधिक सम्मानित

मंत्री बोले-फूलों की खेती से भी मिलेगा नया रोजगार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24-12-22	5	1-6

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान दिवस के रूप में मनाई पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती

हितकारी योजनाओं से किसानों को मिल रहे फसलों के बेहतर दाम : दलाल

उत्कृष्ट महिला व पुरुष किसानों को सम्मानित करते मुख्यातिथि व कुलपति।

प्रदर्शनी में कृषि यंत्र को बारीकी से देखते मुख्यातिथि।

मंत्री ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

मुकेश को मिला किसान रत्न अवार्ड

'हर जिले के के.वी.के. में प्राकृतिक खेती का प्रदर्शन प्रक्षेत्र'